भारत सरकार
ग्रामीण विकास मंत्रालय
ग्रामीण विकास विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2724
(05 अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए)

जनजाति-बहुल दूरदराज के क्षेत्र

2724. श्रीमती प्रतिभा सुरेश धानोरकर:

क्या **ग्रामीण विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के कोरपना तालुका में मानिकगढ़ पहाड़ी के पास जनजाति-बहुल दूरदराज के क्षेत्रों (जैसे येरगरव्हान-चनाई खुर्द , कन्हालगांव-मांडवा आदि) को जोड़ने वाली रूपापेठ -खड़की-सवालहिरा सड़क और अन्य विभिन्न सड़कों पर गड्ढे होने के कारण जर्जर हालत में हैं जिससे यात्रा करना जानलेवा हो गया है;

(ख) यदि हाँ, तो उक्त दुर्दशा के कारण आदिवासी ग्रामीणों को स्वास्थ्य देखभाल और अन्य आवश्यक सुविधाएँ प्राप्त करने में किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है;

(ग) क्या यह सच है कि मानसून के दौरान तंगला चंपति और जम्भुलधारा के बीच स्थित पुल पानी में डूब जाते हैं जिससे यातायात पूरी तरह से ठप हो जाता है, और

(घ) यदि हाँ, तो सरकार सड़कों की मरम्मत और तंगला चंपति से जम्भुलधारा तक एक बड़ा पुल बनाने के लिए क्या ठोस कदम उठा रही है और उक्त कार्य के कब तक पूरा होने की संभावना है?

उत्तर
ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(श्री कमलेश पासवान)

(क) से (ख) ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) को एकबारगी गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम के रूप में कार्यान्वित किया जा रहा है , जो वर्ष 2000 से विभिन्न माध्यमों से सड़क संपर्करहित बसवाटों को बारहमासी सड़क संपर्कता प्रदान करती है। इसके अलावा , "ग्रामीण सड़कें" राज्य का विषय है, और उनके रखरखाव की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है।

महाराष्ट्र सरकार ने सूचित किया है कि महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के कोरपना तालुका में माणिकगढ़ पहाड़ी के पास रूपापेठ -खड़की-सवालहिरा सड़क और आदिवासी बहुल दूरदराज के क्षेत्रों (जैसे येरगरव्हान-चनाई खुर्द, कन्हालगांव-मांडवा, आदि) को जोड़ने वाली विभिन्न सड़कें जर्जर स्थिति में नहीं हैं। खड़की-तंगला-चेन्नई-कन्हलगांव सड़क (टी- 16), की लंबाई 11.00 किमी है , जिसका निर्माण पीएमजीएसवाई-I, चरण-XII, बैच-I (अनुसूची-V) के तहत किया गया था और यह सड़क निर्माण कार्य 01.05.2018 को पूरा हुआ। इस सड़क के लिए दोष दायित्व अवधि (डीएलपी) 01.05.2023 को समाप्त हो गई।

राज्य निधि से डीएलपी के 5 वर्षों के दौरान सड़क के रखरखाव के लिए 10.91 लाख रुपये का व्यय किया गया है। सड़क अब डीएलपी के बाद वाले चरण में है , तथा राज्य को रखरखाव नीति के अनुसार सड़क का आगे रखरखाव करना होगा।

राज्य सरकार ने सूचित किया है कि वर्तमान में कोई कार्य नहीं चल रहा है तथा सड़क वाहन चलाने योग्य है तथा सड़क ठीक हालत में है। यह भी उल्लेख किया गया है कि आवश्यकतानुसार इस सड़क के उन्नयन और रखरखाव के लिए मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना -II (एमएमजीएसवाई-II) जैसी राज्य योजनाओं का उपयोग किया जाएगा।

(ग) से (घ) महाराष्ट्र राज्य सरकार ने सूचित किया है कि तंगला से खड़की रोड पर तंगला गांव के पास , चेनेज 7/250 और 8/100 पर क्रमशः एक बाढ़ पुल और एक उठा हुआ पुल है। मानसून के मौसम में ये पुल कभी-कभी जलमग्न हो जाते हैं, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 2 से 3 घंटे तक यातायात बाधित रहता है। राज्य की योजनाओं , जैसे कि मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना- II (एमएमजीएसवाई-II) का उपयोग आवश्यकतानुसार बॉक्स कल्वर्ट के साथ पुलियों के प्रतिस्थापन और इस सड़क के उन्नयन तथा तंगला, चंपाती और जम्भुलधारा गांवों को जोड़ने वाली सड़क और पुलों के लिए किया जाएगा।

*****